सच्चाई के दम पर
जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्य: ₹ 02

सांध्यकालीन समाचार पत्र
स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 14 अगस्त, 2025
वर्ष: 02, अंक: 216, पृष्ठ: 8+4

रूस का अहम बयान 'हम अपने स्टैंड पर कायम हैं'

» Pg 12

इनसाइड अखिलेश दुबे की अवैध संपतियों पर चलेगा बुलडोजर... » Pg 03

यूपी विधानसभा में भिड़ गए बीजेपी विधायक

हाथापाई की नौबत, सपा ने उड़ाया मजाक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में गुरुवार को उस समय हंगामा मच गया, जब सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के दो विधायकों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। यह घटना 'विकसित भारत, विकसित यूपी विजन डॉक्यूमेंट 2047' पर चल रही चर्चा के दौरान हुई, जो पिछले 24 घंटों से सदन में छाई हुई है।

सूत्रों के अनुसार, बीजेपी विधायक राजेश चौधरी और सौरभ श्रीवास्तव के बीच बोलने के समय को लेकर बहस शुरू हुई। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों के बीच तीखी तकरार के बाद स्थिति हाथापाई तक पहुंचने की कगार पर थी। हालांकि, अन्य विधायकों ने तुरंत हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाला।

इस घटना का सबसे रोचक पहलू रहा विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) का रवैया। सपा विधायकों ने इस मौके का फायदा उठाते हुए बीजेपी पर तंज कसे। एक सपा विधायक ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, 'जब सत्ताधारी दल के विधायक अपने ही विजन पर आपस में भिड़ रहे हैं, तो यह 'विकसित यूपी' का विजन कितना ठोस होगा?' इस टिप्पणी ने सदन में हल्की-फुल्की हंसी भी बिखेरी, लेकिन बीजेपी खेमे में इसे लेकर असहजता साफ दिखाई दी। यह घटना उस समय हुई, जब सदन में 'विकसित यूपी 2047' के दस्तावेज पर गंभीर चर्चा चल रही थी। यह दस्तावेज उत्तर प्रदेश के दीर्घकालिक विकास और समृद्धि के लिए सरकार की योजनाओं को रेखांकित करता है। बीजेपी विधायकों की आपसी तकरार ने चर्चा को कुछ समय के लिए पटरी से उतार दिया। सदन के अन्य सदस्यों ने इस घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार देते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं विधानसभा की गरिमा को प्रभावित करती हैं। वहीं, कुछ विश्लेषकों का मानना है कि यह घटना बीजेपी के भीतर आंतरिक मतभेदों को उजागर करती है, जो भविष्य में सत्तारूढ़ दल के लिए चुनौतियां खड़ी कर सकती है। हालांकि, बीजेपी नेतृत्व ने इस मामले को तूल न देने की कोशिश की और इसे 'आम असहमति' करार दिया।

'22 लाख लोगों की मौत हुई तो उनके नाम जारी क्यों नहीं हुए'

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि चुनाव आयोग ने कहा है कि लिस्ट से हटाए गए 65 लाख नामों में से 22 लाख लोगों की मौत हो चुकी है। अगर 22 लाख लोगों की मृत्यु हुई है, तो बूथ स्तर पर इसका खुलासा क्यों नहीं किया जाता? हम नहीं चाहते कि नागरिकों का अधिकार राजनीतिक दलों पर निर्भर हो। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि वह बिहार की मसौदा मतदाता सूची से बाहर किए गए या हटाए गए लगभग 65 लाख लोगों की लिस्ट, उनके हटाए जाने के कारण सहित, जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर सार्वजनिक करे।

बहस तेज

आवारा कुत्तों को शेल्टर होम भेजने के निर्देश के बाद देश भर में कई जगह निकाले गए मार्च

आवारा कुत्तों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद 'भूचाल'

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

लखनऊ। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या पर अहम फैसला सुनाते हुए स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी स्ट्रे डॉग्स को आठ हफ्तों के भीतर शेल्टर होम भेजा जाए और उन्हें दोबारा सड़कों पर न छोड़ा जाए। यह फैसला जनहित में स्वागत योग्य माना जा रहा है, लेकिन इसके बाद से देशभर में कुत्तों के समर्थकों और विरोधियों के बीच बहस तेज हो गई है।

दिलचस्प यह है कि जिन राजनीतिक और फिल्मी हस्तियों ने पहले इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी थी, वे अब खुलेआम स्ट्रे डॉग्स के समर्थन में उतर आए हैं। वहीं, आंकड़े बताते हैं कि रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी की सबसे ज्यादा चपेट मध्यमवर्गीय और निम्न मध्यमवर्गीय परिवार के लोग आते हैं, जो रोजाना सड़कों और गलियों में कामकाज के लिए निकलते हैं और अक्सर आवारा कुत्तों के हमलों का शिकार बनते हैं।

रेबीज का खौफनाक सच : रेबीज एक अत्यंत पीड़ादायक और जानलेवा बीमारी है, जो संक्रमित जानवरों, विशेषकर कुत्तों के काटने से फैलती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दुनिया में हर साल करीब 59,000 लोग रेबीज के कारण मौत का शिकार होते हैं, जिनमें से 36% मामले भारत में होते हैं। भारत सरकार ने 2015 में विश्व स्वास्थ्य संगठन, विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन और रेबीज नियंत्रण हेतु वैश्विक गठबंधन के साथ मिलकर 2030 तक 'शून्य मानव मृत्यु' का लक्ष्य तय किया है। इसके लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPRE) बनाई गई है, जो राज्यों को मार्गदर्शन और जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार की गई है। इस दिशा में गोवा ने रेबीज नियंत्रण में सराहनीय काम किया है।

चुनौती और उम्मीद

आवारा कुत्तों के हमलों में हो रही लगातार बढ़ोतरी ने आम लोगों की सुरक्षा और स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इस समस्या के समाधान की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है। अब देखने वाली बात यह होगी कि स्थानीय प्रशासन इस आदेश को कितनी गंभीरता से लागू करता है और क्या वाकई भारत 2030 तक रेबीज मुक्त हो पाएगा

रामादेवी चौराहे पर दो रोडवेज बसों के बीच दबकर कंडक्टर की मौत

» सवारी भरते समय पीछे से आई बस ने रगड़ते हुए मारी टक्कर, मौके पर हुई मौत

» दिसंबर में बड़ी बेटी की शादी की तैयारी कर रहे थे, रक्षाबंधन मनाकर लौटे थे ड्यूटी

प्रमुख संवाददात/ स्वराज इंडिया

कानपुर। रामादेवी चौराहे पर बुधवार को दर्दनाक हादसे में रोडवेज कंडक्टर की जान चली गई। आजमगढ़ निवासी 55 वर्षीय विनय सिंह, विकास नगर डिपो में संविदा कंडक्टर थे और कानपुर से वाराणसी जा रहे थे। सुबह करीब 8 बजे उन्होंने रामादेवी चौराहे पर बस रोककर सवारियां भरना शुरू किया, तभी पीछे से आ रही फतेहपुर डिपो की कानपुर-प्रयागराज रूट की बस उन्हें रगड़ती हुई निकल गई।

दोनों बसों के बीच दबने से विनय गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपित बस चालक बस समेत फरार हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

शादी की तैयारी अधूरी छोड़ गया हादसा

विनय सिंह का परिवार गड़रियनपुरवा, विकास नगर में किराए के मकान में रहता था। पत्नी बीना सिंह, बेटा वीर प्रताप और तीन बेटियां अर्चिता, आर्या और अनन्या का रो-रोकर बुरा हाल है। बड़ी बेटी अर्चिता की शादी दिसंबर में तय थी, जिसके लिए विनय तैयारी में जुटे थे। रक्षाबंधन पर बहन से राखी

बंधाने गांव गए थे और बुधवार तड़के ही लौटकर ड्यूटी पर पहुंच गए थे। घटना के बाद ट्रामा सेंटर ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आरोप लगाया कि रोडवेज बस चालकों की लापरवाही और अव्यवस्थित संचालन के कारण आए दिन हादसे होते हैं, लेकिन जिम्मेदार ठोस कदम नहीं उठाते।

हाईवे पर सफर सस्ता, 14 अगस्त से फास्टैग पर वार्षिक पास की सुविधा

» 3000 में 200 ट्रिप का लाभ, कानपुर के आसपास नौ टोल प्लाजा पर लागू

» स्टेट हाईवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर नहीं मिलेगी सुविधा

प्रमुख संवाददाता /स्वराज इंडिया

कानपुर। अब राष्ट्रीय राजमार्ग पर सफर करने वाले वाहन चालकों की जेब पर टोल टैक्स का बोझ कम होगा। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) 14 अगस्त की आधी रात से फास्टैग पर वार्षिक पास की नई सुविधा शुरू करने जा रहा है। इस योजना में मात्र 3000 में 200 ट्रिप की यात्रा संभव होगी। कानपुर के आसपास पांच राष्ट्रीय राजमार्गों पर स्थित नौ टोल प्लाजा पर इसका लाभ मिलेगा, जबकि स्टेट हाईवे और आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर यह लागू नहीं होगा।

इस वार्षिक पास की बुकिंग राजमार्ग यात्रा मोबाइल एप से की जा सकेगी, जो टोल, मार्ग की स्थिति, रेस्ट एरिया, पेट्रोल पंप और इमरजेंसी सेवाओं की जानकारी भी उपलब्ध कराता है। अब यह एप यात्रा के लिए सबसे किफायती मार्ग सुझाने की सुविधा भी देगा।

नई योजना से यात्रियों को राहत

NHAI की इस सुविधा से यात्रियों को बड़ी बचत होगी। जिले के 100 किमी के दायरे में स्थित नौ टोल प्लाजा पर अभी आने-जाने में 100 से 300 तक का टोल देना पड़ता है।

अब 3000 का वार्षिक पास बनवाकर यात्री 200 ट्रिप तक का सफर बिना अतिरिक्त भुगतान के कर सकेंगे। इससे पहले केवल टोल प्लाजा से 20 किमी के दायरे में रहने वाले निजी वाहन मालिकों को 350 प्रतिमाह का पास जारी होता था, जो आधार कार्ड और वाहन पंजीकरण के आधार पर मिलता था। वह सुविधा आगे भी जारी रहेगी।

अखिलेश दुबे की अवैध संपतियों पर चलेगा बुलडोजर

» जिला प्रशासन और केडीए ने कई संपत्तियों पर कार्रवाई के लिए रिपोर्ट तैयार की है

» सिविल लाइंस स्थित तीन बीघा से अधिक जमीन पर संचालित आगमन गेस्ट हाउस भी खाली कराया जाएगा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। झूठे मुकदमे दर्ज कराकर वसूली के आरोपों में जेल में बंद अधिवक्ता अखिलेश दुबे और उनके गैंग की मुश्किलें लगातार बढ़ रही हैं। कानपुर के विभिन्न स्थानों में अब तक अखिलेश दुबे के खिलाफ आधा दर्जन मुकदमे दर्ज हो चुके हैं। अभी कई शिकायतों की जांच चल रही है ऐसे में संभव है कि आने वाले समय में अखिलेश दुबे पर कई और मामले दर्ज किया जा सकते हैं। वहीं, कानपुर विकास प्राधिकरण (चष्ठ) ने साकेत नगर, तेजाब मिल कैंपस और अन्य इलाकों में पार्कों व सरकारी जमीनों पर कब्जे, अवैध निर्माण, और गेस्ट हाउस व स्कूल के संचालन जैसे मामलों में जांच पूरी कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

जिला प्रशासन से जुड़े अफसरो का कहना है कि जल्द ही ऐसी संपत्तियों पर बुलडोजर की कार्रवाई होगी।

साउथ कानपुर के साकेत नगर में भूखण्ड संख्या 152 (योजना संख्या-2, ब्लॉक ङ्ख/1) का भूमि उपयोग पार्क के रूप में निर्धारित था। 365.82 वर्गमीटर क्षेत्रफल के कम्यूनिटी सेंटर की लीज के बावजूद, अखिलेश दुबे ने पूरे 3719 वर्गमीटर पार्क पर कब्जा कर जी+3 मंज़िला इमारत खड़ी कर दी। चष्ठ ने निर्माण ध्वस्त करने और पार्क नगर निगम को सौंपकर आम जनता के लिए खोलने का आदेश दिया है।

स्कूल संचालन का लाइसेंस खत्म, फिर भी कब्जा बरकरार

भूखण्ड संख्या 559 (ब्लॉक-W) में 1.11 एकड़ पार्क का 1998 में 10 साल के लिए डॉ. बृज किशोर दुबे मेमोरियल स्कूल को आवंटन किया गया था। 2008 में अवधि समाप्त होने के बाद भी कब्जा जारी रहा और अवैध निर्माण किया गया। चष्ठ ने नोटिस जारी कर बेदखली और ध्वस्तीकरण की कार्यवाही शुरू करने की बात कही है।

तेजाब मिल कैंपस में भी अतिक्रमण

भूखण्ड संख्या 84/63 (वेलफेयर सोसाइटी, तेजाब मिल कैंपस) के पार्क पर भी भवन बनवा लिया गया। जांच में शिकायत सही पाई गई और धारा 27(1) के तहत नोटिस जारी हुआ।

गेस्ट हाउस में फर्जी दस्तावेज़

शिवशक्ति गेस्ट हाउस के मामले में आवासीय भूखण्ड का निबंधन कूटरचित अभिलेखों के आधार पर पाया गया। इस पर एफआईआर दर्ज है और केडीए ने 14 फरवरी 2025 को ध्वस्तीकरण आदेश पारित किया है।

पुरानी बिक्री पर भी सवाल

जूही W स्थित भूखण्ड संख्या 558/1 (1758 वर्गगज) पर अवैध मंदिर, सत्संग भवन और आवासीय मकान पाए गए। जांच में सामने आया कि यह चष्ठ की भूमि है और 1980-2000 के दशक में हुई खरीद-बिक्री की वैधता की जांच चल रही है।

केडीए और नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि सभी कब्जाई गई भूमि को मुक्त कराकर पार्कों को आम जनता के लिए विकसित किया जाएगा और दोषियों पर कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी।

विधानसभा में गूंजे कानपुर के मुद्दे, विधायक अमिताभ बाजपेई ने सरकार को घेरा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने मंगलवार को विधानसभा सत्र में कानपुर से जुड़े कई अहम मुद्दों को जोरदार तरीके से उठाया और सरकार को इन पर त्वरित कार्रवाई करने की मांग की।

विधायक ने सफाईकर्मी भर्ती में देरी, नगर निगम की लापरवाही, सरकारी स्कूलों के मर्जर, स्मार्ट सिटी के नाम पर भ्रष्टाचार, ठेला-पटरी व रेहड़ी दुकानदारों की समस्याएं, नाला सफाई, शहर के जाम, कानून-व्यवस्था, सरकारी अस्पतालों में भ्रष्टाचार, आयुष्मान कार्ड के नाम पर धोखाधड़ी, बिजली आपूर्ति में गड़बड़ियां, बिजली रेड टीम और पुलिस की लूट, गंगा सफाई और टेनरी उद्योग से जुड़े मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगा।

सदन और जनता से मिली सराहना

अमिताभ बाजपेई की बेबाकी और सक्रियता को सदन में मौजूद अन्य सदस्यों ने सराहा, वहीं आम जनता ने भी उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया विधायक ने कहा कि कानपुर की समस्याओं को विधानसभा में उठाना और समय पर समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है।

उनकी इस पहल से शहरवासियों में बेहतर सफाई व्यवस्था, ट्रैफिक सुधार, ठेला-पटरी दुकानदारों को राहत, सरकारी सेवाओं में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन की उम्मीद जगी है।

फावड़ा-डंडे लेकर दबंगों ने राजस्व टीम पर बोला हमला

तीन लहूलुहान, चकरोड की पैमाइश के दौरान बढ़ा विवाद

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» चकरोड नापने पहुँची टीम जान बचाकर लौटी

» दस लोगों पर संगीन धाराओं में मुकदमा

बिल्हौर (कानपुर)। अरौल थाना क्षेत्र के संभियापुर गांव में चकरोड की पैमाइश के दौरान बुधवार दोपहर विवाद इतना भड़क गया कि दबंगों ने लाठी-डंडों और फावड़े से हमला बोल दिया। मारपीट में महिला समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हालात बिगड़ते देख राजस्व निरीक्षक और लेखपाल समेत पूरी टीम मौके से लौट आई।

पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने करीब 10 लोगों को नामजद करते हुए संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पीड़िता रिंकी ने आरोप लगाया कि पैमाइश के बीच राम आसरे, ललित, कुमार गुड्डू, अमर सिंह, लालजीत, रूपेश, गोलू और सुमन आदि ने गाली-गलौज के बाद हमला कर दिया। अफरा-तफरी में हमलावर धमकी देते हुए भाग निकले।

घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है, जिसमें दोनों पक्षों की मारपीट साफ दिखाई दे रही है। हालांकि आपका स्वराज इंडिया वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। थानाध्यक्ष जनार्दन सिंह यादव के मुताबिक आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

घटनास्थल पर दहशत का माहौल : हमले के बाद संभियापुर गांव में माहौल तनावपूर्ण है। ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों देखा जा रहा है। चकरोड विवाद के चलते लोग समूह में बाहर निकलने से बच रहे हैं। पुलिस हालात पर नजर रखे हुए है। आशंका है कि यह मामूली विवाद कहीं और हिंसक रूप न धारण कर ले।

बीएसपी में शामिल होने के बाद विनोद राय को मिठाई खिलाते पदाधिकारी।

बीजेपी कार्यकर्ता विनोद राय बीएसपी में शामिल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» उन्हें मकनपुर सेक्टर अध्यक्ष नियुक्त किया

» संगठन मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से करेंगे कार्य

बिल्हौर(कानपुर)। मकनपुर के भाजपा कार्यकर्ता विनोद कुमार राय ने बुधवार को बहुजन समाज पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। कस्बा बिल्हौर में आयोजित बसपा की विधानसभा स्तरीय बैठक के दौरान उन्होंने भाजपा छोड़कर बसपा का दामन थामा। पार्टी ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें मकनपुर सेक्टर अध्यक्ष नियुक्त किया। विनोद राय ने कहा कि वह बसपा की नीतियों और नेतृत्व से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुए हैं और संगठन को मज़बूत करने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। बसपा के पूर्व प्रभारी विनय कुमार गौतम ने कहा बहुजन समाज पार्टी से तेजी से अन्य दल के लोग जुट रहे हैं और आगामी विधानसभा चुनाव में बीएसपी सरकार बनाने जा रही है। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष रमेश पाल, विधानसभा प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, फुरकान ठेकेदार,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सोबरन सिंह शास्त्री, सेक्टर अध्यक्ष बीबीपुर आशीष कुमार, रवि गौतम एडवोकेट सहित बड़ी संख्या में बसपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अहिल्या बाई होल्कर को समाजवादियों का नमन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। मालवा की महारानी, लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर की पुण्यतिथि पर समाजवादी कार्यकर्ताओं ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि अहिल्या बाई न्यायप्रिय, दूरदर्शी और लोककल्याणकारी शासक थीं। उन्होंने मंदिरों, तालाबों, कुओं का निर्माण करवाया और किसानों, कारीगरों व व्यापारियों के उत्थान के लिए कार्य किया। कार्यक्रम में लोहिया वाहिनी अध्यक्ष रोहित कटियार, ऋषभ यादव, लोकेश, देवेश कटियार, अभिषेक कटियार, छात्र सभा उपाध्यक्ष शुभम यादव, रवि कुशवाहा, नितिन कटियार समेत कई समाजवादी साथी मौजूद रहे। आयोजक शशिकांत पाल, अध्यक्ष बिल्हौर विधानसभा, पि.व. ने कहा कि अहिल्या बाई का जीवन नारी शक्ति और आदर्श नेतृत्व का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी सभी को प्रेरित करता है।

मनमोहक **आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में बच्चों ने मनाया त्योहार**

स्कूल में पहले ही गूंजे जन्माष्टमी के गीत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)।16 अगस्त को पड़ने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व से पहले ही मकनपुर स्थित आरपीएस गौरव इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को नन्हे-मुन्ने बच्चों ने धूमधाम से जन्माष्टमी का त्योहार मनाया। राधा-कृष्ण की वेशभूषा में सजे बच्चों ने भजनों पर मनमोहक नृत्य और रंग-बिरंगे परिधानों में रैंप वॉक कर सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर एक शिक्षिका ने भगवान कृष्ण के जन्म की कथा सुनाकर बच्चों को त्योहार का महत्व समझाया। पूरे विद्यालय परिसर में भक्ति और उल्लास का माहौल बना रहा। डायरेक्टर आरती कटियार ने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को हमारी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। प्रधानाचार्या लकी जैन ने बच्चों के उत्साह और आत्मविश्वास की सराहना की। कार्यक्रम का समापन पूजा, आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उमंग साफ झलक रही थी।

सम्पादकीय

जनभागीदारी से संरक्षित होगी आर्थिक संप्रभुता

ट्रंप की टैरिफ दादागीरी और तमाम देशों के आर्थिक संरक्षणवाद से भारत के लिए उभरी आर्थिक चुनौतियों के बीच स्वदेशी का मंत्र ही एक कारगर विकल्प सिद्ध हो सकता है। वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि संकल्प लें कि हम अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उल्लेखनीय है कि कोरोना संकट के दौरान जब वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला डगमगाई थी, तब भी प्रधानमंत्री ने देश में स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया था। निस्संदेह, इस दिशा में कुछ प्रगति हुई है, लेकिन हकीकत है कि अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं हुए। आज के ऐसे दौर में जब दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं घोर संरक्षणवाद का सहारा ले रही हैं, भारत को अपनी अर्थव्यवस्था को स्वदेशी के संकल्प से ही संरक्षण देना होगा।

ये कदम मौजूदा आर्थिक परिदृश्य में अपरिहार्य हैं क्योंकि दुनिया के तमाम देश अपने-अपने आर्थिक हितों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर अन्यायपूर्ण ढंग से लगाया गया 25 फीसदी का टैरिफ इस कड़ी का ही विस्तार है। ऐसे वक्त में जब भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है तो हमें घरेलू अर्थव्यवस्था का स्वास्थ्य सुधारने को अपनी प्राथमिकता बनाना ही होगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।इसमें दो राय नहीं कि स्वदेशी का संकल्प देश की वर्तमान जरूरत है, लेकिन देश के उद्यमियों को भी सुनिश्चित करना होगा कि स्वदेशी वस्तुओं का विकल्प गुणवत्तापूर्ण हो। आज के उपभोक्तावादी युग में लोग गुणवत्ता से समझौता करने को तैयार नहीं होते। उद्यमियों को सोचना होगा कि कैसे चीन के उद्यमी कम लागत में गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध करा रहे हैं। सरकार को भी उद्योग व व्यापार जगत पर नौकरशाही के शिकंजे को कम करना होगा। उत्पादन क्षेत्र को हमें उस स्तर तक ले जाने के लिये अनुकूल वातावरण तैयार करना होगा, जहां गुणवत्तापूर्ण सस्ते उत्पाद तैयार किए जा सकें। जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

विषमता की खाइयां पाटना वक्त की जरूरत

सुधाकर शर्मा

स्वराज का मतलब यह भी है कि हम सत्ता के अनुचित उपयोग के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी अपने भीतर जगायें? अन्याय के विरोध का भाव जगाना ही पर्याप्त नहीं है, अन्याय के विरोध की क्षमता भी स्वतंत्र देश के हर नागरिक में होनी चाहिए। एक स्वतंत्र समाज का दायित्व बनता है कि वह ऐसी स्थितियां बनाये कि हर नागरिक में अन्याय का विरोध करने की क्षमता जगे।'स्वराज में राहत तो होगी/ मज़दूर मगर भूखा होगा/ उसके बदले की रोटी/ दौलत वाला खाता होगा... आज़ादी चीज तो अच्छी है/ लेकिन है पैसे वालों की/ मजदूर को मजदूरी करनी/ गोरों के बजाय कालों की...।' यह पंक्तियां किसने लिखी हैं, यह तो नहीं पता, पर इतना अवश्य पता है कि आज़ादी की लड़ाई के दौरान कुछ लोग इस तरह के गीत भी गाया करते थे।

मैंने अपने पिताजी से बचपन में ये पंक्तियां सुनी थीं और यह बात वे तब कहते थे जब देश में आर्थिक या सामाजिक विषमता का कोई मुद्दा उठता था। समानता और बंधुता के सारे दावों के बावजूद विषमता की खाइयों की गहराइयां कम नहीं हो रहीं। बड़े-बूढ़ों से यह बात हम अक्सर सुनते रहते हैं कि आज़ादी पा लेने के बावजूद देश में समानता का वह सपना कहीं पूरा होते नहीं दिखता जो हमारे स्वतंत्रता सेनानी देखा करते थे। यह एक सच्चाई अपने आप में बहुत कुछ कह देती है कि आज देश की आबादी के दस प्रतिशत ऊपरी हिस्से के पास देश की राष्ट्रीय संपति का 77 प्रतिशत हिस्सा है!

आज जबकि हम अपनी आज़ादी के 78वें साल में दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने की ओर तेज़ी से बढ़ने के दावे कर रहे हैं, करोड़ों को गरीबी रेखा से उबारने की दुहाई दे रहे हैं, दुनिया की सबसे तेज़ी से सुधरती अर्थव्यवस्था होने का दम भर रहे हैं, स्वयं को विश्वगुरु मान रहे हैं तो यह सवाल उठना ही चाहिए कि देश की 80 प्रतिशत आबादी को सरकार द्वारा दिये जाने वाले प्रतिमाह 5 किलो अनाज पर जीवन-यापन क्यों करना पड़ रहा है? सरकारी मदद को भीख कहना अच्छा नहीं लगता है, पर हकीकत है- इससे भी तो इन्कार नहीं किया जा सकता।बरसों पहले भारत की संसद में उठा तीन आने और तेरह आने वाला सवाल एक तरह से आज भी मुंह बाये हमारे सामने खड़ा है। देश की आर्थिक स्थिति पर बोलते हुए समाजवादी विचारक और नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को चुनौती दी थी कि वे इस स्थापना को गलत साबित करके बतायें कि देश के 27 करोड़ लोग तीन आने से भी कम पैसे में अपना जीवन-यापन करने के लिए विवश हैं। तब रुपये में सोलह आने हुआ करते थे और देश की आबादी भी 50-55 करोड़ थी। अपने उस भाषण में डॉ. लोहिया ने देश की संसद में कहा था, 'देश के प्रधानमंत्री पर प्रतिदिन पच्चीस हज़ार रुपये खर्च होते हैं! जबकि, देश का आम नागरिक प्रतिदिन तीन आने में अपना काम चलाने के लिए बाध्य है।' ज्ञातव्य है कि तब प्रधानमंत्री नेहरू ने डॉ. लोहिया की इस स्थापना को ग़लत तो कहा था, पर उन पर देशद्रोही होने का आरोप नहीं लगाया था।आज़ादी की लड़ाई के दौरान स्वराज में मजदूर के भूखा सोने की बात कहने वाले की आलोचना तब भी होती थी, पर उन्हें देशद्रोही नहीं समझा जाता था। आज हम आज़ाद हैं, और आज़ादी का तकाज़ा है कि हम सतत? सावधान रहने की शर्त को पूरा करने वाले नागरिक सिद्ध हों। नागरिक की जागरूकता स्वतंत्र देश की सार्थकता की पहली शर्त है।

वैज्ञानिक ढंग से हो श्रद्धालुओं की भीड़ का प्रबंधन

पर्यटन तीर्थस्थलों में हादसे

सुरेश सेठी

देश के तीर्थस्थलों व मेलों में हादसों का सिलसिला निरंतर जारी है। निस्संदेह, ऐसे हादसे अफवाह व संकरे आवागमन मार्गों के चलते होते हैं। बढ़ती भीड़ के मद्देनजर प्रबंधन वैज्ञानिक तरीके से होना चाहिए।?साथ?ही अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।पर्यटन क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्रोत और रोजगारपरक क्षेत्र है। देश को तीन प्रकार के पर्यटन से आय प्राप्त होती है। विदेशी पर्यटकों के आगमन से देश को विदेशी मुद्रा मिलती है और अनेक लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होते हैं। इस प्रायद्वीपीय और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर देश में तीन प्रमुख प्रकार के पर्यटन प्रचलित हैं। पहला, रमणीय पर्यटन, जिसमें पर्यटक दर्शनीय स्थलों का आनंद लेने आते हैं। दूसरा, चिकित्सीय (मेडिकल) पर्यटन, जिसमें विदेशी रोगी भारत में बेहतर और सस्ती चिकित्सा सुविधाओं के कारण आते हैं। तीसरा, धार्मिक पर्यटन है। धार्मिक आस्था से ओतप्रोत इस देश में श्रद्धालुओं की धर्मस्थानों पर निरंतर भीड़ रहती है। विशेषकर सावन जैसे पवित्र महीनों में धार्मिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, जिससे यह पर्यटन और भी सक्रिय हो जाता है।धार्मिक श्रद्धालुओं का जमावड़ा कभी कम नहीं होता। कई बार भगदड़ जैसी घटनाओं में हृदयविदारक समाचार मिलते हैं, फिर भी पहले से भी अधिक भीड़ जुट जाती है। किसी भी प्रकार की दुर्घटना श्रद्धालुओं के उत्साह को कम नहीं कर पाती। लोग आस्था के समर्पण में इतने लीन रहते हैं कि यह देख कर आश्चर्य होता है कि देश धर्मस्थलों के प्रति कितना समर्पित है। सनातन धर्म में यह विश्वास है कि मंदिरों में साक्षात परमात्मा साकार रूप में विराजमान होते हैं। यही विश्वास करोड़ों श्रद्धालुओं को धर्मस्थलों की ओर आकर्षित करता है।लेकिन आस्था को समर्पित इस देश में, विशेषकर सावन के पावन महीने में, हाल ही में लगातार जो दुर्घटनाएं हुई, उनमें कई लोगों ने अपनी जान गंवाई और अनेक गंभीर रूप से घायल हुए। जब इन घटनाओं के कारणों की पड़ताल की जाती है, तो या तो बेबुनियाद अफवाहें सामने आती हैं, या फिर प्रशासनिक लापरवाही उजागर होती है। कभी-कभी श्रद्धालुओं की जल्दबाज़ी और पहले दर्शन की होड़ में की गई धक्का-मुक्की भी भगदड़ का कारण बन जाती है। ऐसी भगदड़ों में लोगों के कष्टों का कोई अंत नहीं होता — जानें जाती हैं, लोग घायल होते हैं, परिवार उजड़ते हैं।बीते 27 जुलाई को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित मनसा देवी मंदिर में मची भगदड़ में कुछ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 36 श्रद्धालु घायल हो गए। बताया गया कि सीढ़ियां चढ़ते समय एक खंभे से जुड़े शॉर्ट सर्किट की अफवाह फैली, जिससे लोग घबरा गए और हड़बड़ी में पीछे हटने लगे।ये घटनाएं यहीं खत्म नहीं होतीं। गत 28 जुलाई को उत्तर प्रदेश के बाराबंकी स्थित अवसानेश्वर मंदिर में भी भगदड़ की एक और दुखद घटना घटी। जलाभिषेक के दौरान करंट फैलने से दो लोगों की मौत हो गई और 29 श्रद्धालु घायल हो गए।

घटना के तुरंत बाद मंदिर की बिजली काटनी पड़ी, जिससे गर्भगृह में अंधेरा छा गया। इसके बावजूद श्रद्धालु अंधेरे में ही दर्शन और जलाभिषेक करते रहे। इसी दौरान, एक मंत्री के मंदिर में पुष्पवर्षा करने की खबर फैल गई, और देखते ही देखते वहां तीन लाख से अधिक लोग जुट गए। अत्यधिक भीड़ के कारण भगदड़ मच गई।

धांधागर्दी

केडीए में बड़ा खुलासा

भूखंड रजिस्ट्री की फाइलें गायब, लिपिक के खिलाफ एफआईआर

» पूर्व विधायक नीरज चतुर्वेदी की शिकायत के बाद शुरू हुई जांच

» कानपुर विकास प्राधिकरण में प्लाटों की रजिस्ट्री में हुए हैं बड़े खेल

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) में भ्रष्टाचार और लापरवाही का बड़ा मामला उजागर हुआ है। पूर्व विधायक नीरज चतुर्वेदी की शिकायत पर कई भूखंडों की जांच के दौरान पता चला कि रजिस्ट्री से संबंधित अहम फाइलें रहस्यमय तरीके से गायब हो गईं।

शिकायत के आधार पर सचिव केडीए अभय पाण्डेय ने विशेष कार्याधिकारी की अध्यक्षता में जांच कमेटी गठित की थी। 7 अगस्त 2025 को हुई कमेटी की बैठक में उपाध्यक्ष केडीए के सामने यह तथ्य आया कि पटल लिपिक प्रदीप कुमार सविता, जिनके जिम्मे रजिस्ट्री की कार्रवाई और पत्रावली के सुरक्षित रख-रखाव की जिम्मेदारी थी, उन्हीं के स्तर से दस्तावेज गायब हो गए।

गायब दस्तावेजों में कृष्णापुरम्, मुखर्जी विहार, महर्षि दयानन्द विहार और योजना-39 जाजमऊ के कई कीमती भूखंडों से जुड़ी रजिस्ट्री शामिल हैं। इन मामलों में करोड़ों रुपये के लेन-देन और संभावित गड़बड़ी की आशंका जताई जा रही है।कमेटी ने अपनी सिफारिश में प्रदीप कुमार सविता के खिलाफ स्न्ढ्ढक्रदर्ज करने का निर्णय लिया है। विशेष कार्याधिकारी ने स्वरूप नगर थाने को लिखित आदेश भेजकर तत्काल रिपोर्ट दर्ज करने के निर्देश दिए हैं।इस कार्रवाई ने केडीए में व्याप्त भ्रष्टाचार और फाइलों के गायब होने की पुरानी परंपरा पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं। अब देखना होगा कि दर्ज होने के बाद जांच किस दिशा में आगे बढ़ती है और क्या इस मामले में बड़े अधिकारी भी जांच के दायरे में आएंगे।

लिपिक प्रदीप सविता निलंबन के खिलाफ हाई कोर्ट से ले आए थे बहाली

कानपुर विकास प्राधिकरण के लिपिक प्रदीप कुमार सविता को एक बड़े भूखंड घोटाले में एक साल पहले निलंबित कर दिया गया था। इस पर हाई कोर्ट में जाकर अपनी बहाली का आदेश करवा लिया था उसके बाद से वह फिर से काम देखने लगा।

आपदा प्रबंधन एवं जनसहयोगी मुहिम के कर्मयोगी चंद्रेश दीक्षित सम्मानित

» एनसीसी शिविर के भव्य समारोह में मिला पदक और प्रशस्ति पत्र

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। 55 यूपी बटालियन एनसीसी, कानपुर के वार्षिक शिविर में आपदा प्रबंधन व दुर्घटना राहत जनसहयोगी मुहिम के कर्मठ कार्यकर्ता चंद्रेश दीक्षित को सराहनीय जनहित सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया।

पुराना राजपूत रेजिमेंट ग्राउंड, कैंट में आयोजित इस समारोह में बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सी. सी. नाग ने चंद्रेश दीक्षित को पदक और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पीएलवी डॉ. परवेज अख्तर ने कहा– जनहित सेवा से जुड़े कर्मठ व्यक्तियों का सम्मान समाज के लिए प्रेरणा है। वहीं, आपदा प्रबंधन के मुख्य प्रशिक्षक व रेड क्रॉस सोसाइटी के मास्टर ट्रेनर लखन कुमार शुक्ला ने कहा कि चंद्रेश दीक्षित हमेशा जनसहयोगी अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं।इस अवसर पर डॉ. नित्या चावला (पीएलवी, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण) और संवाददाता सरदार सुरेंद्र पाल सिंह को भी सेवा पदक और अभिनंदन पत्र प्रदान किया गया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स को भी सम्मानित किया गया।

कर्नल सी. सी. नाग ने कहा कि डॉ. परवेज अख्तर, लखन कुमार शुक्ला और डॉ. नित्या चावला के सहयोग से शिविर प्रशिक्षण को विशेष लाभ मिला। उन्होंने चंद्रेश दीक्षित और सरदार सुरेंद्र पाल के कैडेट्स के प्रचार-प्रसार में योगदान की भी सराहना की।

देश-विदेश में ठगी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

कानपुर। इम ब्रांच ने देश- विदेश में ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 78 डेस्कटॉप और 57 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं।कानपुर में क्राइम ब्रांच की साइबर टीम ने देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के मास्टरमाइंड पुलकित द्विवेदी को ग्वालटोली क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है, जबकि उसके कई साथियों की तलाश अभी जारी है।जानकारी के अनुसार, यह गिरोह एक कॉल सेंटर चलाकर ठगी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस ने आरोपी के कॉल सेंटर से 78 डेस्कटॉप और सीपीयू, तथा 57 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इस गिरोह में कुल 56 लड़कियां भी शामिल थीं, जो ठगी में मदद करती थीं। साइबर टीम ने इस गिरोह के 4.5 करोड़ रुपये के खाते भी सीज कराए हैं।

तहसील में फर्जी हस्ताक्षर पर बवाल,अधिवक्ता से बदसलूकी करने वाला युवक गिरफ्तार

» वकीलों ने थाने का घेराव किया

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। तहसील परिसर गुरुवार को उस समय हंगामे का अड्डा बन गया, जब फर्जी हस्ताक्षर करने के आरोप पर अधिवक्ता और एक युवक के बीच कहासुनी मारपीट में बदलने लगी। अधिवक्ता के विरोध करने पर आरोपी आगबबूला हो उठा तथा गाली–गलौज करने लगा और झगड़े पर आमादा हो गया। जानकारी के मुताबिक बलराम नगर निवासी करूणा शंकर पुत्र स्व. लालमन पर आरोप है कि उसने अधिवक्ता शैलेन्द्र कुमार के साथ फर्जी हस्ताक्षर करने की कोशिश की। अधिवक्ता ने मना किया तो वह तिलमिला उठा और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए माहौल गरमा दिया। सूचना मिलते ही बिल्हौर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 170 भारतीय न्याय संहिता के तहत चालान कर दिया। इसके बाद अधिवक्ता साथियों के साथ थाने पहुंच गए और आरोपी पर सख़्त कार्रवाई की मांग करते हुए थाने का घेराव किया। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर वकीलों को कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

अचानक धंस गई 30 फीट गहरी सीवर लाइन

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जाजमऊ में एक 30 फीट गहरी सीवर लाइन धंसने से उसमें एक ओवरलोड मौरंग लदा ट्रक फंस गया, जिसे ड्राइवर ने कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला; हादसे के बाद नगर निगम ने बैरिकेडिंग कर दी।कानपुर के जाजमऊ थाना क्षेत्र में जेके आशियाना के पास एक 30 फीट गहरी सीवर लाइन धंस गई, जिसके कारण मौरंग लदा एक

ओवरलोड ट्रक उसमें फंस गया।

गनीमत रही कि इस दौरान कोई राहगीर वहां से नहीं गुजर रहा था, अन्यथा कोई बड़ा हादसा हो सकता था।ट्रक ड्राइवर ने काफी मशक्कत के बाद अपने ट्रक को बाहर निकाला। घटना की सूचना मिलते ही नगर निगम के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। निगम कर्मचारियों ने तुरंत आसपास बैरिकेडिंग लगाकर उस क्षेत्र को बंद कर दिया, ताकि कोई और वहां से न गुजर सके।

साइबर ठगी में गया 15,500, पुलिस ने वापस दिलाया

» खुद को पुलिस अफसर बताकर दी गई थी फर्जी केस की धमकी

» शिकायत के बाद साइबर हेल्प डेस्क ने तुरंत की कार्रवाई

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को पुलिस ने बड़ी राहत दी है। साइबर अपराधियों द्वारा ठगी गई रकम वापस मिलने के बाद पीड़ित ने राहत की सांस ली और कानपुर देहात पुलिस का धन्यवाद किया। मामला उस समय का है जब शिवम सिंह नाम के युवक को एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस विभाग का वरिष्ठ अधिकारी बताया और बेहद चालाकी से बातचीत शुरू की। कुछ ही देर में उसने शिवम पर अश्लील वीडियो देखने और उसे शेयर करने का गंभीर आरोप लगाया। साथ ही, यह धमकी दी कि उसके खिलाफ मामला दर्ज कर तुरंत गिरफ्तारी की जाएगी।

धोखे में आकर भेज दिए पैसे

फोन पर पुलिस का नाम सुनकर और झूठे आरोपों से डरकर शिवम मानसिक दबाव में आ गया। ठग ने उसे यह विश्वास दिला दिया कि मामले को 'सेटल' करने का यही एकमात्र तरीका है कि वह तुरंत ?15,500 एक निर्दिष्ट खाते में ऑनलाइन ट्रांसफर कर दे। डर के मारे शिवम ने बिना ज्यादा सोचे यह रकम ट्रांसफर कर दी। इसके बाद ठग का फोन बंद हो गया और शिवम को एहसास हुआ कि वह साइबर ठगी का शिकार हो गया है। तुरंत दर्ज कराई शिकायत

घटना का पता चलते ही शिवम ने हिम्मत जुटाकर साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल किया और पूरी घटना की जानकारी दी। उसकी शिकायत सीधे शिवली थाना (साइबर हेल्प डेस्क) को ट्रांसफर की गई। वहां मौजूद पुलिस टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू की।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर हुई कार्रवाई

अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, आलोक सिंह, पुलिस महानिरीक्षक, कानपुर रेंज, हरीशचंद्र, और पुलिस अधीक्षक, कानपुर देहात, अरविंद मिश्र के निर्देश पर जांच शुरू हुई। साइबर हेल्प डेस्क ने संबंधित बैंक और पेमेंट गेटवे से संपर्क कर लेन-देन को ट्रैक किया।

त्वरित समन्वय और तकनीकी जांच के चलते ठग के खाते में मौजूद पूरी राशि होल्ड करा दी गई और कानूनी प्रक्रिया पूरी होते ही वह रकम वापस शिवम के बैंक खाते में जमा कर दी गई।

कानपुर देहात पुलिस ने इस घटना के बाद लोगों से अपील की है कि अज्ञात नंबरों से आने वाले कॉल पर बिना पुष्टि किए कोई भी व्यक्तिगत जानकारी या पैसे न भेजें। किसी भी तरह के संदेहास्पद कॉल आने पर तुरंत 1930 या नजदीकी थाने में शिकायत दर्ज कराएं। पुलिस का कहना है कि सतर्कता और समय पर दी गई सूचना से ठगी के मामलों में पैसा वापस मिलने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है।

दहेज में 50 लाख न देने पर नवविवाहिता को पीटा, घर से निकाला

» पति समेत ससुरालवालों पर मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न का आरोप

» शादी में 71 लाख खर्च करने के बाद भी मायके से और पैसे लाने का दबाव

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर थाना क्षेत्र के रामस्वरूप नगर, पुखरायां निवासी नवविवाहिता ने ससुरालवालों पर दहेज में 50 लाख रुपये की मांग पूरी न होने पर मारपीट और घर से निकालने का आरोप लगाया है। पीड़िता के पिता कृष्ण कुमार गुप्ता ने भोगनीपुर थाने में पति समेत छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

शिकायत के मुताबिक, शिवानी गुप्ता की शादी 19 जनवरी 2023 को रतनलाल नगर, कानपुर निवासी समीर गुप्ता से हुई थी। शादी में 21 लाख रुपये नकद, 35 लाख के सोना-हीरा-चांदी के गहने और 15 लाख रुपये अन्य खर्चों में लगाए गए। कुल मिलाकर करीब 71 लाख रुपये का खर्च हुआ।

पति के अफेयर और धमकियो का भी आरोप

शिवानी ने बताया कि शादी के बाद पति समीर, ससुर राकेश कुमार और सास उषा रानी लगातार मायके से 50 लाख रुपये लाने का दबाव बनाने लगे।

आरोप है कि समीर मॉडल और अन्य महिलाओं के साथ संबंध बनाता रहा और उनकी तस्वीरें दिखाकर मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न करता था।

कई बार रिश्तेदारों के बीच पंचायत भी हुई, लेकिन नतीजा नहीं निकला। 13 दिसंबर 2023 को पति, सास, जेठ, जेठानी और अन्य परिजनों ने मारपीट कर शिवानी को घर से निकाल दिया और धमकी दी कि दोबारा आने पर जान से मार देंगे।

कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

त्योहारों पर व्यापारियों व प्रशासन की बैठक, शांति व सौहार्द का संदेश

» गजनेर में व्यापार मंडल ने सुरक्षा इंतजामों पर की चर्चा

» संदिग्ध दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना देने की अपील

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत गजनेर में बुधवार को आगामी राष्ट्रीय पर्व और त्यौहारों को लेकर व्यापारियों और प्रशासन की संयुक्त बैठक हुई। बैठक का आयोजन व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी श्री कृष्ण कुमार मिश्रा के नेतृत्व में, व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता के प्रतिष्ठान पर किया गया। इसमें त्यौहारों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और शांति बनाए रखने पर विस्तार से चर्चा की गई।

शांति और सहयोग का संकल्प

बैठक में उपस्थित सभी व्यापारियों ने हर्ष और उल्लास के साथ त्योहार मनाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाएगा। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने भी भरोसा दिलाया कि त्योहारों के दौरान चौकसी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर कोई भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि नजर आती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए, ताकि समय रहते कार्रवाई हो सके।

बैठक में व्यापार मंडल अध्यक्ष नीरज गुप्ता, महामंत्री दीपू परिहार, कोषाध्यक्ष राजेश सचान, बालमुकुंद शुक्ल, कुलदीप सिंह, वरुण बाजपेई, अवधेश सविता, इमरान, जतिन, शांतनु खुर्शीद, अरुण मिश्रा समेत कई व्यापारी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि त्योहार सिर्फ खुशियों का समय होते हैं और उन्हें सौहार्दपूर्ण वातावरण में ही मनाना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बाराबंकी में मां ने दो मासूमों संग नदी में लगाई मौत की छलांग

» महिला ने सुसाइड नोट में लिखी दर्द भरी दास्तान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। कोठी थाना क्षेत्र के बीबियापुर घाट गांव में गुरुवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। 30 वर्षीय मिथिलेश कुमारी यादव ने अपने दो मासूम बेटों–6 वर्षीय अभय और 4 वर्षीय अंश–के साथ बहती नदी में छलांग लगाकर जान दे दी।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, बारिश से उफनाई नदी के किनारे महिला को बच्चों संग आखिरी बार देखा गया। देखते ही देखते वह तेज धार में समा गई। गोताखोरों ने घंटों की मशक्कत के बाद तीनों के शव बाहर निकाले तो गांव में मातम पसर गया।

मृतका के पास से पुलिस को एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने अपने सास–ससुर और देवर पर लगातार प्रताड़ना के आरोप लगाए। नोट के मुताबिक, पिछले 15 दिनों से 2 लाख रुपये और जेवर की मांग की जा रही थी। पैसे और जेवर देने के बाद भी यातना खत्म नहीं हुई। पहली शादी में पति की मौत के बाद तीन महीने पहले उसने अपने देवर से शादी की थी, लेकिन वहां भी उसे अपमान और मारपीट झेलनी पड़ी। घटना के दिन परिजनों ने उसे बच्चों समेत घर से निकाल दिया था।

मायके पक्ष का कहना है कि मिथिलेश को लंबे समय से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था। दो मासूमों के शव जब मां की गोद में लिपटे मिले, तो देखने वालों की आंखें नम हो गईं। गांव का माहौल अब भी गमगीन है, और सवाल यह कि आखिर कब तक बेटियां दहेज और प्रताड़ना की बलि चढ़ती रहेंगी?

कानपुर देहात: विकलांग महिला और नाबालिग बेटी पर दबंगों का जानलेवा हमला

» रात में ईंट–पत्थर और धारदार हथियार से किया वार, पुलिस कार्रवाई न होने पर पीड़िता डरी–सहमी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (राजपुर)। थाना राजपुर क्षेत्र के भाल गांव में देर रात दबंगों ने एक विकलांग महिला और उसकी नाबालिग बेटी पर अचानक ईंट-पत्थर और धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में मां-बेटी घायल हो गईं। आरोप है कि पुलिस को सूचना देने के बावजूद दबंग मौके से जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए।

पीड़िता रश्मि देवी ने क्षेत्राधिकारी सिकंदरा प्रिया सिंह को लिखित शिकायत में बताया कि वह अपनी बेटी प्रीति देवी के साथ खाना खाकर सोने जा रही थी, तभी तीन दर्जन से अधिक दबंगों ने घर पर धावा बोल दिया। जान बचाने के लिए मां–बेटी ने कमरे में छिपकर खुद को बचाया, लेकिन दोनों को चोटें आईं। पीड़िता के मुताबिक, हमलावरों में विष्णु सिंह पुत्र इंद्रपाल, कौशलेन्द्र सिंह पुत्र शिव स्वरूप सिंह, शिवम पुत्र चंद्र पाल उर्फ गुड्डू, सुमित सिंह पुत्र इंद्रपाल, बेटू पुत्र संजय, गौतम पुत्र विनोद सहित करीब 30 अज्ञात लोग शामिल थे।

रश्मि देवी का पति ट्रक चालक है और अक्सर घर से बाहर रहता है। उन्होंने बताया कि 9 अगस्त को उनके दामाद विपिन सिंह पर भी इन्हीं दबंगों ने भाल गांव के पास चाकू से हमला किया था, लेकिन पुलिस ने कोई सख्त कार्रवाई नहीं की। दो महीने पहले उनके देवर पर भी हमला किया जा चुका है।

पीड़िता ने आरोप लगाया कि पुलिस की ढिलाई के कारण दबंगों के हौसले बुलंद हैं और अब वह अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर बेहद डरी हुई हैं। उन्होंने क्षेत्राधिकारी से दबंगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की गुहार लगाई है।

बाराबंकी में बड़ा सड़क हादसा: डबल डेकर बस पलटी,38 यात्री घायल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। रामसनेहीघाट थाना क्षेत्र के धरौली गांव के पास बुधवार रात्रि लगभग 11:30 बजे एक डबल डेकर बस पलट गई,हादसे में करीब 38 यात्री घायल हुए हैं, हालांकि राहत की बात यह है कि किसी की मौत की सूचना नहीं है। स्क्कविकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि बस गोरखपुर से लखनऊ की ओर जा रही थी, यह बस भिटरिया के पास ड्राइवर का बस पर नियंत्रण खोने के चलते पलट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ढाबे पर खाना खाने के लिए रुके ड्राइवर ने शराब का सेवन किया था। हालांकि, इस बात की आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है। बस में दो ड्राइवर मौजूद थे, जो हादसे के बाद मौके से फरार हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीएम, सीओ और कई थानों की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को रामसनेहीघाट के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि 4 गंभीर रूप से घायलों को जिला ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया।

पुलिस और परिवहन विभाग बस की फिटनेस, इंश्योरेंस और अन्य दस्तावेजों

की जांच कर रहे हैं। साथ ही यात्रियों को परिवहन निगम की बसों से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है।इस घटना में गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, विभिन्न जनपदों के लगभग 40 लोगों के सवार होने की सूचना मिल रही है, घायलों में प्रमुख रूप से शारदा देवी पत्नी जितेंद्र यादव,धर्मेंद्र पुत्र जगदीश प्रसाद,राम नंदन गिरी पुत्र कंचिदास,अनीश पुत्र कमलेश,अंशु सिंह पत्नी ब्रजमोहन कुमार, रंजनकुमार पुत्र भृगुनंदन, रितेश पुत्र राकेश,विशाल पुत्र सुदामा,दीपक कल्ला पत्नी पंकज,निलेश चौहान पुत्र खोकलाल चौहान, प्रियंका पत्नी अशोक यादव ,राज कुमार पुत्र सरोज कुमार, केशव कुमार पुत्र बृजनंदन, इमरान मोहम्मद पुत्र मुशर्रफ,मुनि प्रसाद पुत्र मुकेश प्रसाद,ब्रजमोहन कुमार पुत्र शिवलाल,सुरेश प्रसाद पुत्र राम बलि,चंद्रमोहन पुत्र बृजमोहन,दिनेश्वर पुत्र बिंद्राब्रज मिश्रा,बृजेश्वर मिश्रा पुत्र रमेश्वर मिश्रा,रकीब पुत्र मेहताब,अमरजीत पुत्र सूरज,अश्वत्थ चक्रवर्ती पुत्र सुबोध चक्रवर्ती आदि लोग शामिल रहे है जिन्हें प्राथमिक इलाज मुहैया कराकर परिवहन निगम की बसों से गंतव्य तक भेजा गया।

पिकअप में लगी आग, चालक ने कूदकर बचाई जान, दमकल नदारद

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। निंदूरा क्षेत्र में बुधवार को कुर्सी-देवा मार्ग पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब सरदार ढाबे के पास एक चलती पिकअप अचानक आग की लपटों में घिर गई। वाहन चला रहे विवेक रावत ने सूझबूझ दिखाते हुए चलती गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचा ली।

जानकारी के मुताबिक, पिकअप कुर्सी थाना क्षेत्र के जहांगीराबाद निवासी जगदीश रावत की थी, जिसे उनका बेटा विवेक भाड़ा लेकर गोंडा से माल पहुंचाकर

वापस ला रहा था। रास्ते में अचानक इंजन से धुआं उठने लगा और कुछ ही सेकंड में आग ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया।विवेक ने तत्काल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस और दमकल को सूचना दी, लेकिन 30 मिनट तक कोई मदद नहीं पहुंची। इस बीच आसपास मौजूद लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए पानी और मिट्टी डालकर आग पर काबू पाने की कोशिश की।हालांकि उनकी मेहनत के बावजूद आग इतनी तेज थी कि पिकअप पूरी तरह जलकर राख हो गई। मौके पर जुटी भीड़ ने राहत की सांस ली कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन प्रशासन और दमकल विभाग की देरी पर सवाल जरूर खड़े हो गए।

अयोध्या विकास प्राधिकरण में चल रहा जनसुनवाई का फर्जी खेल

» आदेश हवा में, न्यायालय की अवहेलना ज़मीन पर!

» फर्जी रिपोर्ट का खेल और गायब हो गई पत्रावली

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। अयोध्या विकास प्राधिकरण में भ्रष्टाचार का ऐसा नमूना सामने आया है जो न सिर्फ जनसुनवाई पोर्टल की साख को तार-तार करता है, बल्कि न्यायालय के आदेश की खुलेआम धज्जियाँ उड़ाता है। मामला एक होटल निर्माण का है, जिसमें स्थगन आदेश होने के बावजूद निर्माण चलता रहा और जनसुनवाई पर फर्जी रिपोर्ट अपलोड कर मामले को निस्तारित दिखा दिया गया।

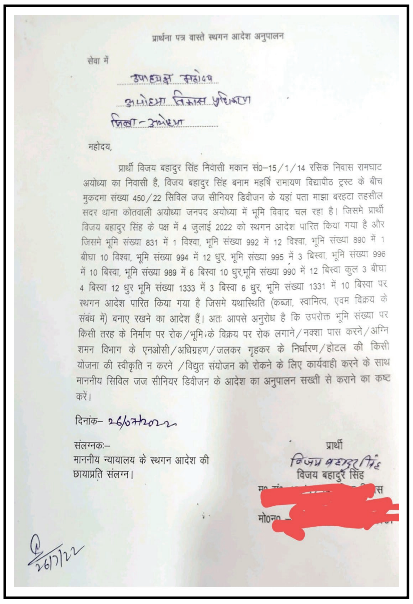

प्रार्थना पत्र वास्ते स्थगन आदेश अनुपालन

सेवा में
उपाध्यक्ष महोदय
अयोध्या विकास प्राधिकरण
जिला – अयोध्या

महोदय,

प्रार्थी विजय बहादुर सिंह निवासी मकान सं0–15/1/14 रसिक निवास रामघाट अयोध्या का निवासी है, विजय बहादुर सिंह बनाम महर्षि रामायण विद्यापीठ ट्रस्ट के बीच मुकदमा संख्या 450/22 सिविल जज सीनियर डिवीजन के यहां पता माझा बरहटा तहसील सदर थाना कोतवाली अयोध्या जनपद अयोध्या में भूमि विवाद चल रहा है। जिसमे प्रार्थी विजय बहादुर सिंह के पक्ष में 4 जुलाई 2022 को स्थगन आदेश पारित किया गया है और जिसमे भूमि संख्या 831 में 1 विश्वा, भूमि संख्या 992 में 12 विश्वा, भूमि संख्या 890 में 1 बीघा 10 विश्वा, भूमि संख्या 994 में 12 धुर, भूमि संख्या 995 में 3 बिस्वा, भूमि संख्या 996 में 10 बिस्वा, भूमि संख्या 989 में 6 बिस्वा 10 धुर,भूमि संख्या 990 में 12 बिस्वा कुल 3 बीघा 4 बिस्वा 12 धुर भूमि संख्या 1333 में 3 बिस्वा 6 धुर, भूमि संख्या 1331 में 10 बिस्वा पर स्थगन आदेश पारित किया गया है जिसमे यथास्थिति (कब्जा, स्वामित्व, एवम विक्रय के संबंध में) बनाए रखने का आदेश हैं। अतः आपसे अनुरोध है कि उपरोक्त भूमि संख्या पर किसी तरह के निर्माण पर रोक/भूमि के विक्रय पर रोक लगाने/नक्शा पास करने/अग्नि शमन विभाग के एनओसी/अधिग्रहण/जलकर गृहकर के निर्धारण/होटल की किसी योजना की स्वीकृति न करने /विद्युत संयोजन को रोकने के लिए कार्यवाही करने के साथ माननीय सिविल जज सीनियर डिवीजन के आदेश का अनुपालन सख्ती से कराने का कष्ट करें।

दिनांक– 26/07/2022

संलग्नक:–
माननीय न्यायालय के स्थगन आदेश की छायाप्रति संलग्न।

प्रार्थी
विजय बहादुर सिंह
विजय बहादुर सिंह
[redacted]

26/7/22

वादी आदित्य सिंह ने आरोप लगाया कि लेखपाल अजय भारती ने 2022 में ही होटल का मानचित्र निरस्त होने की फर्जी रिपोर्ट लगा दी, जबकि न तो मानचित्र निरस्त हुआ और न ही उपाध्यक्ष एडीए का कोई आदेश आया। न्यायालय के स्थगन आदेश की कॉपी समय से प्राधिकरण को दी गई, लेकिन विपक्षी का जवाब आने से पहले ही पूरी पत्रावली गायब कर दी गई और ऑनलाइन फर्जी आख्या अपलोड कर दी गई।

लाखों की डील और दबाव की कहानी

पीड़ित का आरोप है कि लेखपाल अजय भारती ने लाखों रुपये लेकर मामला दबाने और पत्रावली गायब करने का खेल किया। अगर मानचित्र 2022 में ही निरस्त था, तो सवाल है किसके शह पर पिछले दो साल से होटल का निर्माण जारी है? अगर मानचित्र निरस्त नहीं था, तो न्यायालय के आदेश का पालन न करने और पत्रावली गायब करने में शामिल अधिकारी-कर्मचारी पर कब होगी कार्रवाई?

मामले में उपाध्यक्ष एडीए के निर्देश पर दोषी लेखपाल को स्पष्टीकरण जारी किया गया है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक सचिव और ओएसडी अब लेखपाल को बचाने के लिए जुगत भिड़ा रहे हैं।

जनसुनवाई पोर्टल की कार्रवाई से उठे सवाल

यह मामला साफ कर देता है कि जनसुनवाई पोर्टल अब शिकायत निवारण का मंच नहीं, बल्कि फर्जी रिपोर्ट और खानापूर्ति का अड्डा बन चुका है। जिस सिस्टम पर जनता भरोसा करती है, वहां फर्जी आख्या और गायब दस्तावेज़ जैसी घटनाएं प्रशासनिक गिरावट का सबूत हैं।

स्वराज इंडिया का सवाल है कि क्या अयोध्या विकास प्राधिकरण में चल रहे इस फर्जी आख्या सिंडिकेट का पर्दाफाश होगा, या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर खत्म हो जाएगा?

अयोध्या के सरकारी अस्पताल के लेबर रूम में लहराए ठुमके

» अयोध्या के सरकारी अस्पताल का वीडियो बना शर्म का सर्टिफिकेट!

» जहां दर्द की चीखें गूंजनी चाहिए, वहां गानों की बीट पर नाच रही नर्सें

» मरीज की जिंदगी से खेल, अस्पताल की गरिमा को नीलाम!

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। रुदौली सीएचसी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का नाम अब स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नहीं, बल्कि वायरल हो रहे एक भयानक और शर्मनाक वीडियो के लिए लिया जा रहा है। इस वीडियो ने न केवल सरकारी अस्पतालों की कार्यशैली की पोल खोली है, बल्कि स्वास्थ्य विभाग के अनुशासन और मानवीय संवेदनाओं को भी सवालों के कटघरे में ला खड़ा किया है।

करीब 30 सेकेंड से 33 सेकेंड तक के चार अलग-अलग वीडियो में, ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्सें लेबर रूम के बीचोबीच फिल्मी गानों पर ठुमके लगाती और पोज देती नजर आती हैं। इनमें से दो नर्स बिना वर्दी हैं, और समय वही है जब उन्हें मरीजों की निगरानी करनी चाहिए थी। लेबर रूम—जहां एक-एक पल मरीज की जान बचाने के लिए महत्वपूर्ण होता है—वहां गानों की धुन और मोबाइल कैमरे का जलवा!

इलाज की जगह इंस्टाग्राम पर फोकस

स्थानीय लोगों की मानें तो यह घटना स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक करारा तमाचा है। एक मरीज के परिजन ने तीखी प्रतिक्रिया दी हम यहां इलाज के लिए आते हैं, नाच-गाने का तमाशा देखने नहीं।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी अयोध्या डॉ. सुशील कुमार बानियान ने इस मामले को संज्ञान में लेकर जांच के आदेश दिए हैं।

उनका कहना है कि अस्पताल की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों और ड्यूटी के दौरान वर्दी में न रहने वालों पर सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

लेकिन सवाल वही है—क्या यह कार्रवाई कागजों तक सिमट जाएगी, या फिर अस्पताल का लेबर रूम सचमुच इलाज के लिए सुरक्षित जगह बनेगा?

यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध को लेकर रूस का अहम बयान

‘हम अपने स्टैंड पर कायम हैं’

डोनाल्ड ट्रंप के साथ जल्द होनी है पुतिन की मुलाकात

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। रूस ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने के उसके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। रूस की ओर से यह बयान राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप के साथ मुलाकात से ठीक पहले आया है। रूस ने कहा है कि पुतिन युद्ध को समाप्त करने को लेकर पिछले साल ही अपनी शर्तें सामने रख चुके हैं। इनमें यूक्रेन के प्रमुख इलाकों से उसकी सेनाओं की पूरी तरह वापसी और उसके द्वारा नाटो को लेकर अपनी महत्वाकांक्षाओं को त्याग देना शामिल है।

पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शुक्रवार को अलास्का में मिलेंगे, जो 2021 के बाद पहली अमेरिकी-रूसी शिखर वार्ता होगी, जिसमें युद्ध समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा होगी। ट्रंप ने कहा है कि ऐसा करने के लिए दोनों पक्षों को अपनी वर्तमान जमीन का कुछ हिस्सा आपस में बदलना होगा।

रूस वर्तमान में यूक्रेन के 19 प्रतिशत हिस्से पर नियंत्रण रखता है, जिसमें पूरा क्रीमिया, पूरा लुहांस्क, 70 प्रतिशत से अधिक डोनेट्स्क, जापोरिजिया और खेरसॉन क्षेत्र, तथा खार्किव, सुमी, मायकोलाइव और निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र शामिल हैं। कुछ मीडिया में यह रिपोर्ट आने के बाद कि वाशिंगटन को यह समझ आ गया है कि पुतिन अपनी क्षेत्रीय मांगों पर समझौता करने को तैयार हैं, रुसी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता एलेक्सी फदीव से संवाददाताओं ने पूछा कि क्या रूस की स्थिति बदल गई है या नहीं। फदेव ने पुतिन द्वारा विदेश मंत्रालय में दिए गए भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि रूस की स्थिति में कोई बदलाव नहीं है और इसी हाल में एक साल पहले 14 जून, 2024 को व्यक्त किया गया था। उस समय, संभावित समझौते के स्वरूप के बारे में अपनी अब तक की सबसे बड़ी सार्वजनिक टिप्पणी में क्रेमलिन प्रमुख ने डोनेट्स्क, जापोरिजिया और खेरसॉन के उन हिस्सों से यूक्रेनी सैनिकों की वापसी सहित कई मांगें रखीं, जिन पर अभी भी उनका नियंत्रण है। पुतिन ने यह भी कहा कि कीव को आधिकारिक तौर पर मास्को को सूचित करना होगा कि वह अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो सैन्य गठबंधन में शामिल होने की अपनी योजना को त्याग रहा है, तथा वह तटस्थ और गुटनिरपेक्ष बने रहने का इरादा रखता है। इसके अलावा, पुतिन ने कहा कि यूक्रेन में रूसी भाषियों के अधिकारों और स्वतंत्रता को सुनिश्चित किया जाना चाहिए, और यह वास्तविकता है कि क्रीमिया, लुहांस्क, डोनेट्स्क, जापोरिजिया और खेरसॉन अब रूस का हिस्सा हैं। पुतिन ने कहा है कि उनकी शर्तें अंतराष्ट्रीय समझौतों में भी प्रतिबिंबित होनी चाहिए।

पुतिन क्या चाहते हैं?

पुतिन का मानना है कि डोनेट्स्क, लुहांस्क समेत पूर्वी यूक्रेन के हिस्से रूस की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर हैं। जिन्हें वह रूस के प्रभाव क्षेत्र में देखना चाहते हैं। पुतिन का लक्ष्य यूक्रेन के कम से कम चार प्रमुख क्षेत्रों (डोनेट्स्क, लुहांस्क, खेरसन, जापोरिजिया) को आधिकारिक तौर पर रूस में मिलाना है। जिससे इन्हें भविष्य में कोई भी पश्चिमी समर्थन न मिल सके और रूस का आर्थिक-सामरिक दबदबा क्षेत्र में रहे।

26/11 मुंबई हमला

आतंकी तहव्वुर राणा को बड़ी राहत

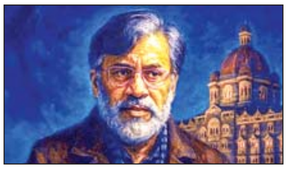

नई दिल्ली। एक विशेष अदालत ने 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को इस महीने अपने भाई से तीन बार फोन पर बात करने की इजाजत दे दी है। अदालत ने साफ कर दिया कि यह बातचीत जेल अधिकारियों की मौजूदगी में होगी और हर कॉल रिकॉर्ड किया जाएगा। इसके साथ ही उसको केवल हिंदी या अंग्रेजी में ही बात करने की अनुमति दी गई है।

विशेष न्यायाधीश चंदर जीत सिंह ने बुधवार को आदेश सुनाया। तहव्वुर राणा को अदालत में वर्चुअल पेशी किया गया। इसके बाद न्यायाधीश ने उसे तीन फोन कॉल करने की छूट देते हुए उसकी न्यायिक हिरासत 8 सितंबर तक बढ़ा दी है। सूत्रों के मुताबिक, कॉल की अनुमति इसलिए मिली, ताकि वो निजी वकील से कानूनी बातचीत कर सके और भाई के संपर्क में रहे। इस केस की सुनाई बंद कमरे में हुई। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि कॉल का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कूनो से भागी चीता ज्वाला को राजस्थान से किया रेस्क्यू

पार्क के खुले जंगल में छोड़ा

श्योपुर। मादा चीता ज्वाला मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क से करीब 100 किलोमीटर दूर पड़ोसी राज्य राजस्थान में भटक गई थी। वन विभाग की ट्रैकिंग टीम अब उसे रेस्क्यू कर घर वापस ले आई है।

कूनो नेशनल पार्क की सीमा लांघकर राजस्थान में पहुंची चीता ज्वाला को वापस लाया गया है। वन विभाग की ट्रैकिंग टीम, वेटरनरी और अन्य विशेषज्ञों ने ज्वाला और उसकी मादा शावक को मध्य प्रदेश के एक गांव से रेस्क्यू किया। इसके बाद दोनों मां-बेटी को कूनो के खुले जंगल में आजाद कर दिया गया।

दरअसल, सोमवार सुबह चंबल नदी पार कर चीता ज्वाला राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले की बालेर रेंज में पहुंच गई थी। जंगल क्षेत्र में घूमते हुए ज्वाला मंगलवार सुबह राजस्थान के

बहरावंडा कला थाना क्षेत्र के ग्राम करीरा में पहुंची और वहां भेड़-बकरियों के बाड़े में घुस गई, जहां उसने एक बकरी का शिकार किया।

इस दौरान ग्रामीण जमा हो गए और गांव में भय का माहौल बन गया। हालांकि, स्थानीय वन विभाग और कूनो की ट्रैकिंग टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाया कि चीता इंसानों पर हमला नहीं करता। फिर भी ग्रामीणों में भय और उत्सुकता बनी रही।

राहत कार्य चुनौतीपूर्ण | धराली में मुश्किल हो रहा रेस्क्यू

50 फीट ऊंचा मलबा, ‘गोल्डन ऑवर’ भी बीता

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

धराली (उत्तराखंड)। धाराली में आपदा के बाद लापता लोगों की तलाश में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना हाई-टेक उपकरणों का इस्तेमाल कर रही हैं। मलबा 40 से 50 फीट ऊंचा होने के कारण राहत कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण है। स्निफर डॉग, ग्राउंड पेनिट्रेटिंग राडार, थर्मल ड्रोन और विक्टिम डिटेक्शन कैमरे से सर्च ऑपरेशन जारी है, लेकिन खराब मौसम मुश्किलें बढ़ा रहा है। उत्तराखंड के धाराली में आपदा के बाद लापता लोगों की तलाश के लिए एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और सेना ने हाई-टेक तकनीकों का सहारा लिया है। मलबा 40 से 50 फीट ऊंचा होने से राहत और बचाव कार्य बेहद चुनौतीपूर्ण बन गया है। मार्ग संपर्क टूटने से भारी मशीनरी और संसाधन सीमित हैं, जिससे खुदाई और बहाली का काम धीमा है।

एसडीआरएफ ने स्निफर डॉग और

विक्टिम डिटेक्शन कैमरे तैनात किए हैं, जो मलबे में दबे जीवित या मृत व्यक्तियों का पता लगा सकते हैं। कमांडेंट अर्पण यादवंशी ने बताया कि हर संभव ढांचे की जांच की जा रही है ताकि लापता लोगों के शव निकाले जा सकें। सेना भी अपने लापता जवानों की तलाश में स्निफर डॉग और थर्मल स्कैनर का उपयोग कर रही है, लेकिन नमी और गीला मलबा बड़ी बाधा है।

हाई-टेक तकनीकों से शवों की तलाश: एनडीआरएफ ने स्निफर डॉग, थर्मल ड्रोन, रेस्क्यू राडार और ग्राउंड पेनिट्रेटिंग राडार (जीपीआर) का इस्तेमाल शुरू किया है, जो मलबे के नीचे हड्डियों तक का पता लगा सकता है। लाइव डिटेक्टर-3 जैसे उपकरण लगाए हैं, जो गोल्डन ऑवर में सांस या हलचल का पता लगाने में मददगार होते हैं।